भक्ति मार्ग की शुरुआत से हम भक्ति रूपी सीताएं रावण राज्य में विकर्मों के कारण दुःख की निरंतर वृद्धि होने से परमात्मा को जन्मों जन्म पुकारते आये । हमारे इस दुःखद पुकार को सुन सृष्टि का रचयिता खुद इस धरा पर संगम युग में अवतरित होकर अनेक अनोखे किरदार निभाते हैं जो विवरण के साथ नीचे दे रहे हैं ।

परमात्मा के विभिन्न किरदार (भूमिका)	विवरण
१) परमपिता	रूहानी पालना देकर ईश्वरीय वर्सा (स्वर्ग का राज्यभाग्य) देते हैं ।
२) परमशिक्षक	ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग की शिक्षा देते हैं । रचयिता और रचना के आदि, मध्य, अंत का ज्ञान देते हैं ।
३) परमसतगुरु	वरदान देते हैं और दुःख की दुनिया से छुड़ाकर गति (मुक्ति) और सद्गति (जीवनमुक्ति) देते हैं ।
४) मुख्य डायरेक्टर / मुख्य एक्टर	सृष्टि रूपी नाटक को डायरेक्ट करने वाला । सृष्टि रूपी नाटक में मुख्य पार्टधारी ।
५) कवि	सत्य ज्ञान सुनाकर अनुभव कराने वाला / ज्ञान के गीत (गीता) गाने वाला ।
६) भगत वत्सलम	भक्तों और बच्चों की रखवाली करने वाला ।
७) जादूगर	पतितों को पावन व नर्क को स्वर्ग बनाने की ईश्वरीय जादूगरी करते हैं । सारी दुनिया की सद्गति करते हैं ।
८) धोबी	माया रूपी कीचड़ के कारण आत्मा रूपी गंदे (पतित) वस्त्र को ज्ञान जल और लक्ष्य रूपी सोप से साफ़ करते हैं ।
९) सोनार	आत्मा रूपी जेवर में अवगुणों के अलॉय (खाद) को योग भट्टी में तपा कर शुद्ध कर सच्चा सोना बना देते हैं ।
१०) वकील / बैरिस्टर	पाँच विकारों की जेल से छुड़ाकर रावण राज्य से मुक्त करते हैं । जमघटों की सज़ा से छुड़ाते हैं । सब झगड़ों से छुड़ा देते हैं ।
११) निष्काम सेवाधारी	विश्व कल्याण की सेवा में उपस्थित हैं । आत्मा और प्रकृति को पावन बनाते हैं । बच्चों को पढ़ाकर विश्व का मालिक बनाते हैं पर खुद नहीं बनते हैं।
१२) कान्ट्रैक्टर	नरक को स्वर्ग बनाने का व पतितों को पावन बनाने का कॉन्ट्रैक्ट लेते हैं ।

परमात्मा के विभिन्न किरदार (भूमिका)	विवरण
१३) कारीगर	पुरानी कलियुगी सृष्टि को नयी सतयुगी सृष्टि बनाने की कारीगरी करते हैं ।
१४) सौदागर / व्यापारी / रत्नागर	पुराना तन-मन-धन के बदले नया देने का सौदा अथवा ज्ञान रत्नों का व्यापार करते हैं ।
१५) करनीघोर / शर्राफ	पुराना सबकुछ लेते हैं अथवा पुराना लेकर एक्सचेंज (exchange) करके नया देते हैं ।
१६) अविनाशी वैद्य	आत्मा की बीमारी का इलाज बताते हैं, विकार के रोगों से निजात दिलाते हैं। एक ही मंत्र (मन्मनाभाव) से सब दुःख दूर कर देते हैं।
१७) रूहानी सर्जन	आत्मा को ज्ञान और योग के इंजेक्शन देकर स्वस्थ करते हैं ।
१८) लिबरेटर	संसार के दुःखों से लिबरेट (liberate) करते हैं ।
१९) रूहानी पंडा / गाइड / स्टेशन मास्टर	परमधाम (मुक्तिधाम) और स्वर्ग (जीवनमुक्तिधाम) का रास्ता बताते हैं । रूहानी यात्रा में मार्गदर्शन (गाइड) करते हैं ।
२०) नंबरवन ट्रस्टी	उनमें बिल्कुल भी आसक्ति नहीं ।
२१) सर्वोदया लीडर	प्रकृति सहित सारे विश्व की आत्माओं पर दया करते हैं ।
२२) गरीब निवाज	गरीबों का भगवान, रक्षक (savior) एवं सहायक ।
२३) वर्ल्ड नॉलेज अथॉरिटी / व्यास	सभी वेदों, शास्त्रों, ग्रंथों के सार को जानते हैं । आत्माओं को कथा व वेद शास्त्रों का सार सुनाते हैं ।
२४) बागवान	आत्मा रूपी बगिया की देखभाल करते हैं। काटों को फूल बनाते हैं।
२५) खिवैया	शरीर व आत्मा रूपी नैया को दुःखधाम से सुखधाम में अथवा विषयसागर से क्षीरसागर में ले जाते हैं ।
२६) वृक्षपति	मनुष्य सृष्टि रूपी वृक्ष का बीज है तो पति भी ।
२७) शाहनशाह / सच्चा पातशाह	गुप्त होके कार्य करते हैं । सच्चा बनाते हैं और सचखण्ड का बादशाह बनाते हैं ।
२८) श्री श्री १०८ जगतगुरु	१०८ विजयी रत्नों की माला बनाते हैं और जगत की सद्गति करते है।
२९) राम	भ्रष्टाचारी दुनिया को श्रेष्ठाचारी बनाते हैं । राम राज्य की स्थापना करते हैं ।
३०) उस्ताद	माया अथवा विकारों से युद्ध करना सिखलाते हैं ।
३१) धर्मराज	सभी आत्माओं के कर्मों का हिसाब रखते हैं एवं न्याययुक्त फल देते हैं
३२) गेस्ट आफ ऑनर	बड़ी महिमा वाला मेहमान जो दूर देश से आते हैं ।